THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH): (a) The need for making such an estimate did not arise as the damage to the buildings was repaired by the DRVN authorities without any obligation for payment on our part.

(b) Yes, Sir. An oral protest was lodged with the U.S. Charge d' Affaires in New Delhi.

(c) No Sir.

मिनी ट्रैक्टरों का निर्माण

2437 **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय** : क्या भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बम्बई की एक फर्म "ग्राटोमेटिव एग्रीकल्चरिस्ट्स" ने मिनी ट्रैक्टर बनाने की योजना बनाई है, और

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य ब्योरा क्या है और इस बारे मे सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

भारी उद्योग मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद): (क) भारी उद्योग मंत्रालय के सामने इस प्रकार की कोई योजना नहीं ग्राई है ।

(ख) प्रश्न ही नही उठता ।

देश में निर्मित ट्रैक्टर ग्रौर उनकी कीमत

2438. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय** : क्या भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्ष के दौरान देश में कितने ट्रैक्टरो का निर्माण किया गया ;

(ख) किन-किन कम्पनियो द्वारा शत-प्रतिशत स्वदेशी सामान से ट्रैक्टरों का निर्माण किया जा रहा है ग्रौर किन-किन कम्पनियों द्वारा विदेशी सहयोग से ट्रैक्टरों का निर्माण किया जा रहा है; ग्रौर

(ग) गत वर्षों में विभिन्न किस्मों के ट्रैक्टरों (जेटर, फर्ग्यूसन, हिन्दुस्तान, एस्कार्ट, ग्राइशार, फोर्ड ग्रौर किलोस्कर) की कीमतो में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है ग्रौर मार्च, 1971 में उनकी कीमत क्या थी ग्रौर जनवरी, 1973 में उसकी कीमत कितनी है ?

भारी उद्योग मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) पिछले दो वर्षों मे ट्रैक्टरों का निम्नलिखित उत्पादन हुग्रा :—

1971	16,440	ट्रैक्टर
1972	18,301	ट्रैक्टर

(ख) इस समय कोई भी एकक 100 प्रतिशत देशी माल से कृषि–ट्रैक्टरो का निर्माण नहीं कर रहा है ।

विदेशी सहयोग से निम्नलिखित एकक ट्रैक्टरो का निर्माण कर रहे हैं —

(1) मैं० इन्टरनेशनल ट्रैक्टर एण्ड क० आफ इण्डिया लिमिटेड, बम्बई।

(2) मैं० ट्रैक्टस् एण्ड फार्म इक्विपमेंट लि०, मद्रास ।

(3) मैं० एस्कोटर्स लि०, फरीदाबाद ।

(4) मैं० एस्कोर्टर्स ट्रैक्टर्स लि०, फरीदाबाद ।

(5) मैं० आईशर ट्रैक्टर्स लिमिटेड, फरीदाबाद ।

(6) मैं० हिन्दुस्तान ट्रैक्टर्स लिमिटेड, बडौदा ।

(7) मैं० हिन्दुस्तान मशीन टूल्स लि०, पिजौर ।

(ग) जानकारी सभा पटल पर रखे गये, विवरण मे दी गई है। [ग्रन्थालय में रखा गया । देखिए सख्या LT. —442/73]।

Shortage of Dock Labour at Bombay Port

2439 SHRI INDRAJIT GUPTA Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state

(a) whether the ship operators have complained of shortage of dock labour at Bombay Port,

(b) whether there is any basis for the complaint, and

(c) if so, whether any steps are being taken to meet the shortage?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI RAGHUNATHA REDDY) (a) Yes, Sir

(b) There is no general shortage of dock labour at Bombay, though difficulties sometimes arise due to temporary seasonal shortages and/or bunching of ships As against this, on occasions ,employment cannot be found on certain days for some of the workers

(c) Adequacy of workers is constantly kept under review by the Bombay Dock Labour Board

Dispensaries Attached to Indian Cooperation Mission, Nepal

2440 SHRI RAJDEO SINGH Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state

(a) the number of dispensaries attached to the Indian Cooperation Mission, Nepal under SPR, EWH and MRM, and

(b) the duties and responsibilities of Pharmacists manning the dispensaries?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) (a) There are ten dispensaries attached to the Indian Cooperation Mission, Nepal, functioning on the MRM (Mahendra Raj Marg—also known as East West Highway) There are no dispensaries of the Indian Cooperation Mission on the SPR (Sonali-Pokhara Road) as the project has since been handed over to His Majesty's Government of Nepal

(b) The Pharmacists in these dispensaries attend to the medical needs of the officers and staff working on the MRM (East West Highway) Project

Strike by Workers of Cochin Port

2441 SHRI C JANARDHANAN: Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state

(a) whether the dock workers of Cochin port have recently struck work,

(b) if so, what are the demands of the striking workers, and